सीखने की राह खोलें...

बढ़ें, चलें...

हिंदी

8

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल
2022

भूमिका

कोविड-19 महामारी के कारण स्कूलों के बंद होने से बच्चे असमान रूप से प्रभावित हुए क्योंकि महामारी के दौरान सभी बच्चों के पास सीखने के लिए ज़रूरी अवसर, साधन या पहुँच नहीं थी। शुरुआती चुनौतियों के बाद नवीनतम तकनीकियों का सहारा लेकर शिक्षा ज़ारी रखने का प्रयास शिक्षा विभाग की ओर से हुआ था। महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर अत्यधिक निर्भर होने में हम विवश भी थे। इसी वजह से छात्रों की शिक्षा में अस्थाई तौर पर व्यवधान उत्पन्न हुआ था। यह छात्रों की अधिगम उपलब्धियों में अंतराल उत्पन्न होने का कारण बन गया है।

हम निश्चित रूप से यह मानते आ रहे हैं कि शिक्षकों और छात्रों के बीच आमने-सामने की बातचीत के साथ-साथ कक्षा-कक्ष के भीतर और बाहर छात्रों के बीच आपस में स्वस्थ चर्चा अच्छी पढ़ाई का अभिन्न हिस्सा है। शिक्षण प्रक्रिया में ऑनलाइन शिक्षा मदद तो कर सकती है लेकिन कक्षाई प्रक्रियाओं की जगह नहीं ले सकती। सामाजिक और भावनात्मक पढ़ाई, जैसे- संवेदना, आदर, सहयोग और बातचीत, विवेचनात्मक और रचनात्मक सोच, बहुमुखी दृष्टिकोण आदि आमने-सामने की असली कक्षाई प्रक्रियाओं से ही संभव हैं। मात्रेतर भाषा हिंदी की शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में भी यह शत-प्रतिशत सही है। इस प्रकार की कक्षाई प्रक्रियाओं से वंचित रहने से बच्चों की भाषाई दक्षताओं एवं उसके प्रयोगों में अंतराल नज़र आ रहा है। विशेषकर बातचीत, डायरी लेखन, कविताओं का आशय लेखन, पत्र तैयार करना, लेख तैयार करना आदि में यह अंतराल अधिक मात्रा में मौजूद है। सीखने के इस अंतराल की भरपाई समय की माँग है।

ऐसे में अपने छात्रों को सामाजिक, भावनात्मक समर्थन प्रदान करने और भाषाई दक्षताओं में पीछे छूट जाने की जोखिम झेल रहे छात्रों को विशेष सहायता उपलब्ध कराने जैसी जवाबी कार्रवाई का पहल शिक्षा विभाग ले रहा है। कोविड महामारी से उत्पन्न सीखने के अंतराल से छात्रों को उबारने में, भाषाई दक्षताओं में हुए व्यवधान की भरपाई करने में शिक्षकों की भी अहम भूमिका है।

भरपाई की इस सामग्री में कक्षाई प्रक्रियाओं के कुछ नमूने मात्र हैं। उम्मीद है, अपनी कक्षा की माँग के अनुसार विविधतापूर्ण सामग्रियाँ शिक्षक स्वयं तैयार करेंगे और अधिगम उपलब्धियों की प्राप्ति में व्यवधान महसूस करनेवाले छात्रों की ज़रूरतों की पूर्ति करने में जागरूक रहेंगे। आशा है, यह सामग्री इस प्रक्रिया में शिक्षकों की मददगार रहेगी।

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, केरल

बात उस मंगलवार की

अधिगम उपलब्धि : डायरी पढ़कर बातचीत तैयार करता है।

अध्यापक 'बात उस मंगलवार की' पाठ का यह सारांश छात्रों को पढ़ने दें :

> डॉ रमणी अटकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सक हैं। जंगल के अंदर बसे बाह्मनी गाँव में वे क्लीनिक चलाती हैं। बरसात का मौसम था। मनियारी नदी पार करके वे जंगल के क्लीनिक पहुँचीं। तेज़ बारिश थी। वे चूल्हे के पास बैठकर गर्म दाल-चावल और साग का भोजन करती थीं। जंगल की एक कच्ची झोंपड़ी में मरीज़ों को देखकर ज़मीन पर वे सो जाती थीं। उनके काम का बहुत बड़ा हिस्सा गाँव के बेचारों की स्थितियों को समझना है। गाँव के कई मरीजों को इंजेक्शन पर बड़ा विश्वास है।

वैयक्तिक रूप से वाचन करने का निर्देश दें।

चर्चा चलाएँ :

1. डॉक्टर रमणी अटकुरी कौन हैं?
2. वे कहाँ क्लीनिक चलाती हैं?
3. तब वहाँ का मौसम कैसा था?
4. उन्होंने कहाँ बैठकर भोजन किया?
5. उनके काम का बहुत बड़ा हिस्सा क्या था?
6. मरीज़ों को किस पर विश्वास था?
7. उनका क्लीनिक शहर में है क्या?

सभी बच्चों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।

दो-चार से प्रस्तुत करवाएँ।

अध्यापक वर्कशीट दें और सही पर '✓' चिह्न लगाने का निर्देश दें।

सही प्रस्तावों पर '✓' चिह्न लगाएँ

- रमणी अटकुरी इंजीनियर हैं। ☐
- रमणी अटकुरी जंगल में क्लीनिक चलाती हैं। ☐
- वे गंगा नदी पार करके जंगल पहुँचीं। ☐
- जंगल में बारिश कम थी। ☐
- गाँव के बेचारों की स्थिति समझने के लिए वे जंगल पहुँचीं। ☐
- मरीज़ों को इंजक्शन पर विश्वास है। ☐
- रमणी अटकुरी का क्लीनिक शहर में है। ☐

सही प्रस्तावों को अपनी पुस्तिका में लिखने का निर्देश दें।

बाकी को सही करके लिखने का निर्देश दें।

जैसे : रमणी अटकुरी इंजीनियर हैं। क्या?

नहीं तो कौन?

रमणी अटकुरी डॉक्टर हैं।

इस प्रकार हरेक प्रस्ताव का विश्लेषण करवाएँ।

बच्चों को कुछ वाक्य पढ़ने का निर्देश दें।

- डॉ. रमणी अटकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सक हैं।
- जंगल में बसे बाह्मनी गाँव में वे क्लीनिक चलाती हैं।

बच्चों को पढ़ने का अवसर दें।

पूछें...

देखिए बच्चो... डॉ. रमणी अटकुरी के संबंध में दो गाँववाले क्या-क्या कहते हैं? ज़रा देखें।

अध्यापक श्यामपट पर वार्तालाप का नमूना पूर्ति करने को देते हैं। गोल दायरे में दिए वाक्यांश चुनकर छात्र वार्तालाप की पूर्ति करें।

गाँववाला 1 : क्या, आप रमणी अटकुरी से परिचित हैं?

गाँववाला 2 : नहीं, मालूम नहीं है, कौन हैं?

गाँववाला 1 : .....

गाँववाला 2 : किस प्रकार के चिकित्सक हैं?

गाँववाला 1 : .....

गाँववाला 2 : उनका क्लीनिक कहाँ है?

गाँववाला 1 : .....

बाह्मनी गाँव में
सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सक हैं
चिकित्सक हैं

वैयक्तिक रूप से प्रस्तुति, दलों में हस्तांतरण करने का निर्देश दें एवं त्रुटि सुधार कराएँ।

बच्चों को और कुछ वाक्य पढ़ने का निर्देश दें।

- बरसात का मौसम था।
- मनियारी नदी पार करके वे जंगल के क्लीनिक पहुँचीं।
- तेज़ बारिश थी।
- वे चूल्हे के पास बैठकर गर्म दाल-चावल और साग का भोजन करती थीं।

अब देखिए...

गाँववाला 2 : उस समय जंगल का वातावरण कैसा था?
गाँववाला 1 : .....
गाँववाला 2 : वे क्या-क्या भोजन करती थीं?
गाँववाला 1 : .....

गर्म दाल-चावल और साग का
तेज़ बारिश थी।

दो-चार की प्रस्तुति और त्रुटि सुधार कराएँ।

अगला भाग पढ़ने का निर्देश दें।
अध्यापक की प्रस्तुति।
(उनके काम का बहुत बड़ा हिस्सा गाँव के बेचारों की स्थितियों को समझना है। गाँव के कई मरीज़ों को इंजेक्शन पर बड़ा विश्वास है।)

गाँववाला 2 : वे क्यों जंगल जाती हैं?
गाँववाला 1 : .....
गाँववाला 2 : मरीज़ों को वे क्या-क्या देती हैं?
गाँववाला 1 : .....
गाँववाला 2 : क्या मरीज़ गोलियों पर विश्वास करते हैं?
गाँववाला 1 : नहीं, ...

इंजक्शन और गोलियाँ
गरीबों की इलाज करने के लिए
उन्हें इंजक्शन पर बड़ा विश्वास है

अगले कुछ वाक्य पढ़ने का अवसर दें।
(जंगल की एक कच्ची झोंपड़ी में मरीज़ों को देखकर ज़मीन पर वे सो जाती हैं।)
देखिए बच्चो, अब हम इसको भी आगे बढ़ाएँ...

गाँववाला 2 : उनका क्लीनिक शहर में है क्या?
गाँववाला 1 : .....
गाँववाला 2 : फिर कहाँ है?
गाँववाला 1 : .....
गाँववाला 2 : वे कहाँ रहकर चिकित्सा करती हैं?
गांववाला 1 : .....

जंगल के बीच
झोंपड़ी में
नहीं

बच्चों को वैयक्तिक लेखन का आवसर दें और दल में परिमार्जन कराएँ।
वार्तालाप के इन अंशों को मिलाकर पूर्ण रूप से वार्तालाप तैयार करने का निर्देश दें।
वैयक्तिक प्रयास के बाद दलों में बेहतर उपज चुनने का मौका दें।
चर्चा चलाएँ :

- किन-किन मुद्दों के आधार पर हम इसका चयन करेंगे?
- क्या आपकी बातचीत में स्वाभाविकता है?

- आपकी बातचीत प्रसंग के अनुकूल है?
- भाषा में स्वाभाविकता एवं संक्षिप्तता है?

चर्चा के दौरान बातचीत के मूल्यांकन संकेतों की धारणा दें।

प्रत्येक दल बेहतर उपज की प्रस्तुति करें।

मेरे बच्चे को सिखाएँ

अधिगम उपलब्धि : लेख तैयार करता है।

सामग्री : अपनी ज़िन्दगी पर सफलता पाए कुछ महान व्यक्तियों के चित्र

पूछें...

ये कौन-कौन हैं? (ए पी जे अब्दुल कलाम, जवाहर लाल नेहरू, मदर तेरेसा, के एस चित्रा, पी टी उषा)

अध्यापक पूछते हैं कि उनके कार्यक्षेत्र क्या-क्या हैं?

नीचे दिए बक्से से कार्यक्षेत्र चुनने का अवसर दें।

डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम	- समाज सेवा
जवाहर लाल नेहरू	- खेल
मदर तेरेसा	- विज्ञान
के एस चित्रा	- राजनीति
पी टी उषा	- संगीत

- क्या वे अपने क्षेत्र में निपुण हैं?
- उन लोगों के यश के कारण क्या-क्या हैं?
- क्या वे अपने जीवन में सफल हैं?
- अगर सफल हैं तो जीवन में सफलता पाने के लिए क्या-क्या गुण आवश्यक हैं?

स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर

सफल जीवन संबंधी एक पाठ आपने पढ़ लिया है।

- उस पाठ का नाम क्या है?
- लेखक कौन हैं?
-किस विधा की रचना है?
- पत्र में क्या-क्या लिखा है?

पाठ के आधार पर लिखने का निर्देश दें।

पाठ से संबंधित कुछ शब्द या वाक्यांश अध्यापक दिखाते हैं।

1. सच बोलना 2. नेक इंसान 3. न्यायप्रिय 4. मेहनत से धन कमाना 5. मुसीबतों को हँसकर टालना 6.अच्छाई को ग्रहण करना 7. नेक व्यवहार करना 8. हिम्मत न छोड़ना 9. धैर्य से रहना 10.असीम श्रद्धा रखना 11. विचारों पर पक्का विश्वास रखना 12. ईमानदार होना

इनमें से कुछ शब्द चुनकर वाक्य बनाने का निर्देश दें; जैसे,

हमें सदा सच बोलना चाहिए।

इस प्रकार वैयक्तिक रूप से प्रस्तुत करें।

- दलों में परिमार्जन भी करें।

- ऊपर दिए वाक्यांशों से सही मिलान करने केलिए एक वर्कषीट दलों में दें...

समाज में	-	अधिक मूल्यवान है।
मुसीबतों को	-	धैर्यपूर्वक सुनना है।
मेहनत से कमाया धन	-	हँसकर टालना चाहिए।
दूसरों की बात	-	अच्छे और नेक इंसान है।
अपने विचारों	-	कभी न बेचना।
अपना ईमान	-	ग्रहण करना है।
अच्छाई को	-	पर पक्का विश्वास रखना है।

वैयक्तिक लेखन, दलों में परिमार्जन और प्रस्तुति।

अध्यापक सही मिलान करके प्रस्तुत करते हैं और त्रुटि सुधार कराते हैं।

समाज में - अच्छे और नेक इंसान हैं।
मुसीबतों को - हँसकर टालना चाहिए।
मेहनत से कमाया धन - अधिक मूल्यवान है।
दूसरों की बात - धैर्यपूर्वक सुनना है।
अपने विचारों - पर पक्का विश्वास रखना है।
अपना ईमान - कभी न बेचना।
अच्छाई को - ग्रहण करना है।

सही मिलान के वाक्यों को जोड़कर क्रमबद्ध रूप से लिखने का निर्देश दें।

दलों द्वारा प्रस्तुतीकरण कराएँ।

आपने जो कुछ लिखा है उसे हम परखें।

- विषय क्या है?
- क्रमबद्ध है?
- विश्लेषण किया है?
- उचित शीर्षक है?

उचित शीर्षक देकर छात्र खंड का पुनर्लेखन और प्रस्तुति करें।

सफल जीवन

हमारे समाज में अच्छे और नेक इंसान होते हैं। मेहनत से ही धन कमाना है। मुसीबतों का हँसकर सामना करना है। हमें अपने विचारों पर पक्का विश्वास रखना है। दूसरों की बातें धैर्यपूर्वक सुनकर आगे बढ़ना है। हमें कभी भी अपने ईमान को न बेचना है। सदा अच्छाई को ग्रहण करके मानव जाति पर असीम श्रद्धा रखनी भी है।

सुख-दुख

अधिगम उपलब्धि : कविता पढ़कर आशय लिखता है।

अध्यापक ' सुख-दुख ' कविता की पहली आठ पंक्तियों का यह आशय संक्षिप्त रूप में दें।

> कवि कहते हैं कि मैं जीवन में हमेशा सुख नहीं चाहता। हमेशा दुख भी नहीं चाहता। जीवन में सुख और दुख का होना स्वाभाविक है। सुख और दुख से ही जीवन परिपूर्ण होता है। कभी बादल में चांद अप्रत्यक्ष होता है। कभी चांद से बादल अप्रत्यक्ष होता है।

पढ़ने का अवसर दें।

अध्यापक प्रश्न करें, प्रत्येक प्रश्न पर छात्रों को प्रतिक्रिया करने दें, चर्चा चलाएँ।

- यहाँ कौन हमेशा सुख नहीं चाहता?
- कवि के अनुसार जीवन में किनका होना स्वाभाविक है?
- जीवन कैसे परिपूर्ण हो जाता है?
- यहाँ 'बादल' और 'चाँद' किन-किनके प्रतीक हैं?

अब इस वर्कशीट की पूर्ति करने को कहें :

सूचना : वाक्य पढ़ें और आशय समझकर उचित पंक्तियों के आगे लिखें।

- कवि हमेशा सुख और दुख नहीं चाहते।
- कभी दुख रूपी बादल से चांद छिप जाता है और कभी कभी सुख रूपी चांद से बादल छिप जाता है।
- कवि के अनुसार सुख-दुख का मिलन मधुर है और इससे जीवन परिपूर्ण होता है।
- सुख-दुख के आने-जाने से ही जीवन आगे चलता है।

> मैं नहीं चाहता चिर-सुख,
> मैं नहीं चाहता चिर-दुख;

> सुख-दुख की खेल मिचौनी,
> खोले जीवन अपना मुख!

> सुख-दुख के मधुर मिलन से
> यह जीवन हो परिपूरन;

> फिर घन में ओझल हो शशि
> फिर शशि से ओझल हो घन!

चर्चा चलाएँ :

- इसके कवि कौन हैं?
- ये पंक्तियाँ किस कविता की हैं?
- कवितांश का आशय लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

चर्चा का संक्षिप्तीकरण करें।

कवि और कविता का परिचय देते हुए उपर्युक्त पंक्तियों का आशय लिखने का निर्देश दें।

छात्र पहले वैयक्तिक रूप से लिखें।

दल में परिमार्जन का मौका दें।

दलों की प्रस्तुति हो जाए।

बात उस मंगलवार की

अधिगम उपलब्धि : डायरी तैयार करता है।

यह अनुच्छेद छात्रों को पढ़ने दें :

> डॉक्टर रमणी अटकुरी बिना फीस से मरीजों का इलाज करनेवाली हैं। वे एक कर्तव्य निष्ठ डॉक्टर हैं। वे जंगल के गाँव में हफ्ते में एक दिन क्लीनिक चलाती हैं। कभी घोर बारिश के कारण उन्हें वहीं ठहरना पड़ता। कच्ची झोंपड़ी में लाइट-पंखे के बिना रहना पड़ता। वहाँ का चावल, दाल और साग का गरम भोजन उन्हें स्वादिष्ठ लगता था। दिन भर की मेहनत के बाद वे बहुत थक जाती थीं।

अनुच्छेद का आशयग्रहण सुनिश्चित करने के लिए चर्चा चलाएँ :

- डॉक्टर रमणी अटकुरी कौन हैं?
- वे कहाँ क्लीनिक चलाती थीं?
- उन्हें जंगल के गाँव में ठहरना पड़ता था। क्यों?
- जंगल के गाँव में उन्हें कैसा भोजन मिलता था?

अब वर्कशीट की पूर्ति करने को दें :

डॉक्टर रमणी अटकुरी चिकित्सा करने के लिए बाह्मनी गाँव गईं। घोर बारिश के कारण वापस जाना मुश्किल था। तब उनके मन में क्या-क्या विचार आए होंगे? उनके विचारों को चुनकर पूर्ति करें :

- मूसलधार बारिश हो रही है।
- डॉक्टर कैसे शहर जाएगी?
- मनियारी नदी भर गई होगी।
- जीप तक जाना मुश्किल है। आज यहाँ ही ठहरूँगी।
- डॉक्टर को कैसा खाना दूँ।
- आज मैं बहुत थक गई हूँ।
- बहुत भूख लगी है।
- गरम भोजन कितना स्वादिष्ट है।
- मेरे आने के पहले ही यहाँ कितने मरीज थे।
- डॉक्टर आज मरीजों को नहीं देखेंगी।

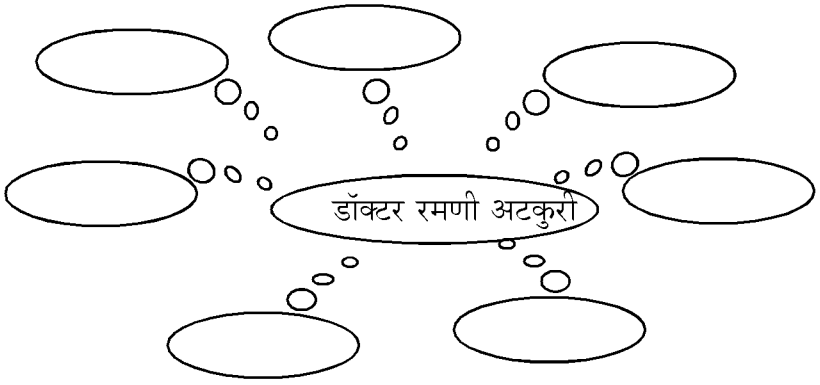

वैयक्तिक रूप से वर्कशीट की पूर्ति कराएँ।

चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति हो।

दल में चर्चा करके परिमार्जन करने का मौका दें।

अब डॉक्टर रमणी अटकुरी की डायरी का यह अंश पढ़ने को दें :

> 20 नवंबर 2022
>
> रविवार
>
> मेरे आने के पहले ही यहाँ कितने मरीज़ थे। इससे देर हो गई। शाम को मूसलधार बारिश हो रही थी। मनियारी नदी भर गई थी। जीप तक जाना मुश्किल था। आज यहाँ ही ठहरना पड़ा। आज मैं बहुत थक गई हूँ। बहुत भूख लगी थी। इसलिए गरम भोजन कितना स्वादिष्ठ लगा।

अब डॉक्टर की डायरी को आधार बनाकर चर्चा चलाएँ :

- डॉक्टर की सोच क्या-क्या हैं?
- उसकी सोच में कौन-कौन सी घटनाओं का उल्लेख है?
- इन वाक्यों में 'डॉक्टर' के स्थान पर किन-किन शब्दों (सर्वनामों) का प्रयोग किया गया है?
- इन वाक्यों में कौन-कौन-सी क्रियाओं का प्रयोग है?
- ये क्रियाएँ किस काल का संकेत देती हैं?
- इनमें कौन-से वाक्य आपको बहुत विशेष लगे?
- तो डायरी लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

चर्चा के दौरान संक्षिप्तीकरण करें।

अब दूसरे प्रसंग पर डॉक्टर की डायरी लिखने को कहें।

इसके लिए डॉक्टर की सोच पर एक बार और ध्यान आकर्षित करें।

छात्र वैयक्तिक रूप से लिखें।

चुनिंदे छात्र प्रस्तुत करें।

दलों में परिमार्जन का अवसर दें।

दलों की प्रस्तुति हो जाए।

> ध्यान दें :
>
> डायरी में मुख्य घटनाओं का उल्लेख हो।
>
> घटनाओं पर लिखनेवाले के भाव एवं विचार भी व्यक्त हों।
>
> मैं, मेरा, मुझे जैसे सर्वनामों का प्रयोग हो।
>
> क्रियाएँ ज़्यादातर भूतकाल में हों।
>
> दिलचस्प शब्द या प्रयोग भी हों।
>
> तारीख, दिन आदि भी लिखें।